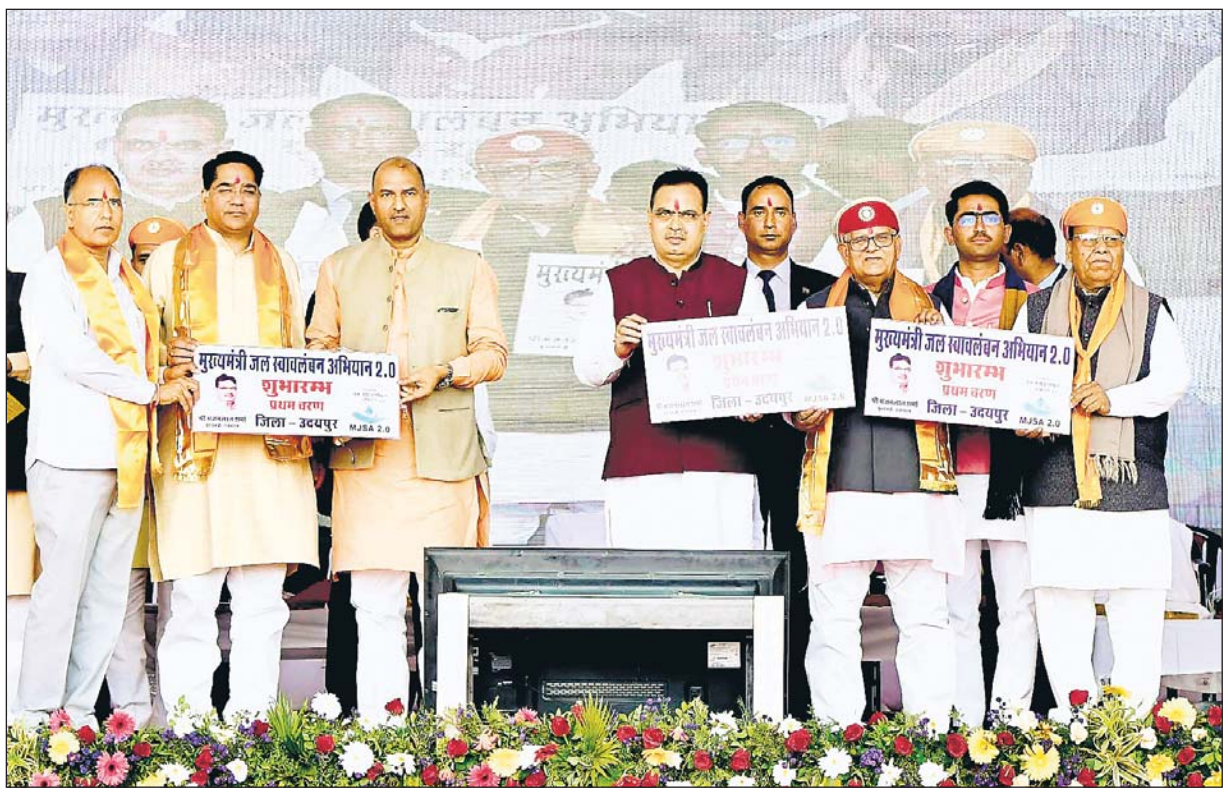

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर की झीलों और जलाशयों को वर्ष पर्यंत पानी से भरा रखने के उद्देश्य से लाई गई परियोजना "देवास थर्ड-फोर्थ" का शुक्रवार को शिलान्यास किया। इस परियोजना के लिए सरकार ने 1690 करोड़ रू. का बजट आवंटित किया है। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी एवं असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया भी मौजूद थे।

मु.मंत्री भजन लाल ने देवास प्रोजैक्ट के तीसरे व चौथे चरण का शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने कहा, 1690 करोड़ रू. की लागत वाली यह योजना पूरी होने के बाद उदयपुर की झीलें हमेशा भरी रहेंगी

- **मुख्यमंत्री ने गोगुंदा में हुए समारोह में कहा कि, इस परियोजना से उदयपुर में कभी पानी का संकट नहीं आएगा और पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।**
- **कार्यक्रम में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे।**

उदयपुर/मावली, 1 मार्च (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने उदयपुर की झीलों को हमेशा लबालब रखने और पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने वाली 1690 करोड़ की देवास थर्ड-फोर्थ परियोजना का शिलान्यास किया। शुक्रवार को गोगुंदा में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, इस परियोजना के मूर्त रूप लेने के बाद उदयपुर में पानी की कोई कमी नहीं आएगी। राजस्थान आने वाला हर तीसरा व्यक्ति उदयपुर आता है।

प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि, भारत दुनिया का "वैडिंग डेस्टिनेशन" बने और उदयपुर वैडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभर भी रहा है। महाराणा प्रताप को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि, महाराणा प्रताप से संबंधित सभी स्थानों को सर्किट के तहत पर्यटन स्थल बनाने का काम हमारी सरकार करेगी।

मुख्यमंत्री ने देवास थर्ड-फोर्थ परियोजना के डूब क्षेत्र में आ रही जमीन के काश्तकारों से कहा कि, जिन लोगों की जमीन इस परियोजना के डूब क्षेत्र में आएगी, हम उन किसानों को नुकसान नहीं होने देंगे। उनको पूरा हक हम देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि, बांसवाड़ा जिले में स्थित माहीबांध में आईलैंड्स हैं, उसे भी पर्यटकों के लिए विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री ने गोगुंदा में आई.टी.आई. कॉलेज का लोकार्पण भी किया।

समारोह से पूर्व मुख्यमंत्री ने गोगुंदा में महाराणा प्रताप की राजतिलक स्थली के दर्शन किए और मंशापूर्ण नीलकंठ महादेव मंदिर में विधिवत् पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण भी किया।

असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने उदयपुर की झीलों के लिए देवास परियोजना का महत्व बताते हुए कहा कि, इस परियोजना से उदयपुर की झीलें ही लबालब नहीं होंगी, बल्कि उदयपुर जिले के कई जलाशयों को हम हमेशा भरा रख सकेंगे और लोगों को पीने का भरपूर पानी भी मिल सकेगा।

जल संसाधन विभाग के मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना की अनुमानित लागत 1690.55 करोड़ है एवं 44 माह की समयावधि में इसे पूर्ण करने का लक्ष्य है। इससे 1000 एम.सी.एफ.टी. वार्षिक जल अपतर्वन उदयपुर शहर की झीलों में किया जाएगा। परियोजना की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से जारी हो चुकी है।

समारोह में जल संसाधन विभाग के मंत्री सुरेश सिंह रावत के साथ-साथ जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, सलूम्बर विधायक अमृत मीणा, गोगुंदा विधायक प्रताप लाल भील, कुम्भलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मावली में डी.एम.एफ.टी. मद से 442 लाख की लागत से नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय भवन का लोकार्पण किया।

सरकार ने 1.25 लाख करोड़ रु. के निवेश से तीन और सेमीकण्डर यूनिट की स्थापना को मंजूरी दी

केन्द्र सरकार ने घोषणा की कि, अगले 100 दिनों के भीतर तीनों इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाएगा

- **इनमें से एक यूनिट टाटा ग्रुप तैयार करेगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टी.ई.पी.एल.) ताइवान के पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प (पी.एस.एम.सी.) के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करेगी। इस फैब का निर्माण गुजरात के धोलेरा में किया जाएगा।**

नई दिल्ली, 29 फरवरी (वार्ता) सेमीकंडक्टर के उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाते हुये केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को 125600 करोड़ रुपये के निवेश और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर करीब 80 हजार रोजगार के अवसर सृजित करने वाली तीन और सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आज यहां हुयी बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। मंत्रिमंडल ने भारत में सेमीकंडक्टरों और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के तहत तीन सेमीकंडक्टर इकाइयों की स्थापना को मंजूरी दी। अगले 100 दिनों के भीतर तीनों इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाएगा।

भारत में सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम दिसंबर 2021 में कुल 76 हजार करोड़ रुपये के व्यय के साथ अधिसूचित किया गया था। जून, 2023 में मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए माइक्रोन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस इकाई का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है और इकाई के पास एक मजबूत अर्धचालक पारिस्थितिकी तंत्र बन उभर रहा है।

इसको लेकर जारी बयान में कहा गया है कि, आज की घोषणा के साथ उन्नत पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों को भारत में स्वदेशी रूप से विकसित किया जाएगा। ये इकाइयां 20 हजार उन्नत प्रौद्योगिकी नौकरियों का प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 60 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेंगी। ये इकाइयां डाउनस्ट्रीम ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, दूरसंचार विनिर्माण, औद्योगिक विनिर्माण और अन्य सेमीकंडक्टर उपभोक्ता उद्योगों में रोजगार सृजन में तेजी लाएंगी।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) ताइवान के पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प (पीएसएमसी) के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करेगी। इस फैब का निर्माण गुजरात के धोलेरा में किया जाएगा। इस फैब में 91,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। पीएसएमसी मेमोरी फाउंड्री सेगमेंट में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है। पीएसएमसी की ताइवान में छह सेमीकंडक्टर फाउंड्री हैं। इसकी क्षमता प्रति माह 50,000 वेफर स्टार्ट (डब्ल्यूएसपीएम) होगी। इसमें 28 एनएम तकनीक के साथ उच्च प्रदर्शन कंप्यूट चिप बनेगा जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), दूरसंचार, रक्षा, ऑटोमोटिव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, डिस्प्ले, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि के लिए पावर प्रबंधन चिप्स के तौर पर उपयोग किया जा सकेगा।

टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) असम के मोरीगांव में 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। टीएसएटी सेमीकंडक्टर फ्लिप चिप और आईएसआईपी (पैकेज में एकीकृत प्रणाली) प्रौद्योगिकियों सहित स्वदेशी उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है। इसकी क्षमता 4.8 करोड़ दैनिक होगी। यह चिप ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मोबाइल फोन आदि में उपयोग होगें।

सीजी पावर, रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, थाईलैंड के साथ साझेदारी में गुजरात के साणंद में 7600 करोड़ रुपये के निवेश से एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगा। रेनेसा एक अग्रणी सेमीकंडक्टर कंपनी है जो विशेष चिप पर केंद्रित है। यह 12 सेमीकंडक्टर सुविधाएं संचालित करता है और एनालॉग, माइक्रोकंट्रोलर, पावर और सिस्टम ऑन चिप (एसओसी) उत्पादों में एक महत्वपूर्ण कंपनी है। सीजी पावर सेमीकंडक्टर यूनिट उपभोक्ता, औद्योगिक, ऑटोमोटिव और बिजली अनुप्रयोगों के लिए चिप का निर्माण करेगी जिसकी क्षमता 1.5 करोड़ दैनिक होगी।

बहुत ही कम समय में भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने चार बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। इन इकाइयों से भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम स्थापित हो जायेगा। चिप डिजाइन में भारत के पास पहले से ही क्षमताएं हैं। इन इकाइयों के साथ, भारत चिप निर्माण में क्षमता विकसित करेगा।

अशोक गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने कहा कि, जो लोग भी पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वो खुशी से जाएं। यह बात मालवीय के संदर्भ में कही गई है, जो उनके बेहद निकट थे और जिन्हें गहलोत ने सी.डब्ल्यु. सी. सदस्य बनवाया था और विधानसभा में विपक्ष का नेता भी बनाना चाहते थे। यही बात राहुल और प्रियंका भी कहते थे और ऐसी बातें करके उन्होंने पार्टी का माहौल बिगाड़ दिया था व कई नेताओं को नाराज़ कर दिया था।

राहुल की यात्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रा को 5 दिन का ब्रेक दिया गया। शनिवार दोपहर को राजाखेड़ा बाईपास से राहुल गांधी रोड शो शुरू करेंगे। करीब ढाई किलोमीटर पैदल मार्च के बाद यात्रा मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में प्रवेश कर जाएगी। यात्रा छः मार्च तक मध्य प्रदेश में रहेगी जिसके बाद 7 मार्च को राजस्थान के बांसवाड़ा में जनसभा का आयोजन होगा। बांसवाड़ा से यात्रा गुजरात में प्रवेश करेगी। जहां से 10 मार्च को यात्रा महाराष्ट्र में पहुंचेगी। 10 मार्च के बाद, अपने अंतिम चरण में यात्रा तीन से चार दिन तक महाराष्ट्र में रुकेगी। धौलपुर में होने वाले रोड शो को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं।

'जमानत के लिए हाई कोर्ट जाओ'...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी 2022 में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में हाई कोर्ट को इस मामले की सुनवाई का भी आदेश दिया।

आसाराम के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी अनुरोध किया कि महाराष्ट्र की पुलिस हिरासत में बंद उनके मुवक्किल को आयुर्वेदिक ईलाज लेने की इजाजत प्रदान की जाए। इस अनुरोध पर कोर्ट ने वकील से कहा कि यह निवेदन भी राजस्थान उच्च न्यायालय में किया जाए। जोधपुर राजस्थान की एक कोर्ट ने आसाराम को उनके आश्रम में साल 2013 में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार करने के आरोप में अदालत ने दोषी करार देते हुए वर्ष 2018 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसी मुकदमें में उनके दो साथियों को कोर्ट ने 20 साल की जेल की सजा सुनाई थी।

जनवरी 2023 में, आसाराम को उनको गुजरात स्थित आश्रम में एक सूरत निवासी महिला के साथ वर्ष 2013 में बलात्कार करने के आरोप में सजा सुनाई थी।

चुनाव आयोग ने केन्द्रीय बलों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जवानों को संवेदनशील व अति-संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव पूर्व तैयारी के लिए रवाना किया गया। ये जवान रेल व सड़क मार्ग से अपने गंतव्य स्थानों पर जाएंगे। सी.ए.पी.एफ. की प्रथम यूनिट्स इस सप्ताह के अंत में ऐसे राज्यों में पहुंचना शुरु कर देगी जो वामपंथी अतिवादियों (एल.डब्ल्यु.ई.) से प्रभावित हैं। पश्चिम बंगाल और जम्मू व कश्मीर को छोड़कर। द्वितीय चरण में चुनाव के लिए सशस्त्र कंपनियों को तैनात करने का कार्य 7 मार्च से शुरु किया जाएगा। इसके बाद मार्च के दूसरे व तीसरे सप्ताह में बची हुई कुछ अंतिम यूनिटों को उनके निर्धारित स्थानों पर भेजा जाएगा।

सशस्त्र पुलिस बल यूनिटों को प्रस्थान के आदेश जारी कर दिए गए हैं तथा उन्हें यह भी निर्देश दिए गए है कि उन्हें चुनाव आयोग के चुनाव संबंधी सामान्य नियमों की जानकारी के साथ ही सुरक्षा बलों को उन चुनाव ड्यूटी वाले खास क्षेत्रों के बारे में आवश्यक जानकारी दी जाए ताकि वे उस क्षेत्र के माहौल से भलि-भांति वाकिफ हो सकें।

प्रथम चरण के तहत सी.ए.पी.एफ. की कंपनियों को विभिन्न प्रदेशों में कानून व्यवस्था को लागू करने में मदद के लिए तैनात किया जा रहा है और जो कंपनियां प्रशिक्षण अभ्यास के लिए आरक्षित हैं उन्हें भी वहां भेजा जा रहा हैं। सशस्त्र बलों की यूनिट्स को नियमित ड्यूटी जैसे सीमा की सुरक्षा में लगाया है और उन सुरक्षा जवानों को वापस बुलाया जाएगा और उन्हें बाद के चरण में तैनात किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनावों तथा आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, ओडिशा व सिक्किम विधानसभा के चुनाव भी साथ कराने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के वास्ते सी.ए.पी.एफ. एवं राज्य पुलिस की अधिकतम 3,400 कंपनियों की मांग की है। चुनाव आयोग चरणबद्ध तरीके से चुनाव कराने की तारीखों का ऐलान इस माह में बाद में 13 मार्च के बाद किसी भी दिन कर सकता है।

निलम्बित पुलिस अफसर मनीष अग्रवाल पर अब मुकदमा चलेगा

- **केन्द्र व राज्य सरकार की तरफ से ए.सी.बी. को उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मिल गई है।**
- **आरोप है कि, मनीष अग्रवाल जब दौसा में पुलिस अधीक्षक थे तब उन्होंने एक हाईवे निर्माण कम्पनी से दलालों के जरिए वसूली की थी। मामला सामने आने के बाद 2 फरवरी 2021 को मनीष अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया तथा निलम्बित भी कर दिया गया था।**

जयपुर, 1 मार्च (का.सं.)। हाईवे निर्माण कंपनी से दलालों के जरिए वसूली करने से जुड़े मामले में दौसा के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल के खिलाफ ए.सी.बी. ने ए.सी.बी. कोर्ट में केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से पेश अभियोजन स्वीकृति पेश की।

इसके साथ ही ए.सी.बी. ने नांगल राजावतान थाने के पूर्व थानाधिकारी कृष्ण कुमार मीणा और सिपाही सुमेर सिंह को लेकर क्लोज़र रिपोर्ट दी है। अभियोजन स्वीकृति मिलने पर अब मनीष अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा चलेगा। मामले में राज्य सरकार की ओर से 2 नवंबर, 2022 को ही अभियोजन की मंजूरी मिल गई थी, जबकि केन्द्र के गृह मंत्रालय ने गत 19 जनवरी को अभियोजन स्वीकृति दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार मनीष अग्रवाल ने दौसा एस.पी. रहने के दौरान दिल्ली-बडोदरा एक्सप्रेस वे का निर्माण करने वाली कंपनी से दलाल नीरज मीणा के जरिए रिश्वत राशि वसूली थी। ए.सी.बी. ने मनीष अग्रवाल को 2 फरवरी, 2021 को गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष का कहना है कि, मनीष पर दलालों के जरिए मासिक बंधी लेने के साथ-साथ काम सुचारू चलाने और प्रति डंपर चार हजार रुपए लेने का भी आरोप है। इसके बाद राज्य सरकार ने मनीष अग्रवाल को निलंबित कर दिया था।

आर.एस.एस की बैठक 15 मार्च को

नई दिल्ली, 1 मार्च। लोकसभा चुनावों की रणभेरी बजने ही वाली है। इसके ठीक पहले आर.एस.एस. की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की महत्वपूर्ण बैठक नागपुर में होने जा रही है। यह तीन दिवसीय बैठक 15-17 मार्च को विदर्भ के नागपुर में होगी। इस बैठक में लोकसभा चुनावों के साथ-साथ आरएसएस के संगठन संबंधित कार्यों पर भी चर्चा होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया है कि, इस बैठक में वर्ष 2023-24 के संघ कार्य की समीक्षा की जायेगी। इसके साथ ही आगामी वर्ष (2024-25) के लिए आरएसएस के कार्यों की योजना पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि, आरएसएस के विभिन्न सहयोगी संगठनों के लगभग 1500 प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आरामबाग में सभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार पर भारी भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। अपने परिचित कटाक्ष पूर्ण अंदाज़ में उन्होंने कहा कि लोगों ने इतना पैसा फिल्मों में भी नहीं देखा होगा। उन्होंने कहा कि मोदी इन भ्रष्ट नेताओं को छोड़ेगा नहीं क्योंकि, वह इन भ्रष्टाचारियों का सबसे बड़ा दुश्मन है। शाम को प्रधानमंत्री कलकत्ता पहुंचे यहां राज भवन में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात की। मीटिंग में रक्षात्मक अंदाज़ में नज़र आई उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ गपशप की।

प्रधानमंत्री के साथ मीटिंग से बाहर आने पर मुख्यमंत्री ने राजभवन के बाहर एकत्रित पत्रकारों के सवालों का जवाब बड़ी विनम्रता से दिया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री से मुलाकात प्रोटोकॉल का हिस्सा थी हमने अनौपचारिक वार्ता की। कांग्रेस और वामपंथी दलों ने कहा कि यह मुलाकात दोनों दलों की सांठगांठ को दर्शाती है। इसी बीच सत्तारूढ़ पार्टी में कलह छिड़ गयी है। तृणमूल महासचिव और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता कुणाल घोष ने पार्टी के दोनों पदों से त्याग पत्र दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बड़े नेता निजी स्वार्थ के खातिर पार्टी के हितों से खिलवाड़ कर रहे हैं। घोष ने कहा कि, 80 साल के सुदीप बंदोपाध्याय भी शेख जैसे हैं। उनकी भाजपा से सांठगांठ है, उनके सचिव का बेटा उत्तरी कलकता में भाजपा की जिला इकाई का प्रमुख है। ऐसे लोग राज्य में भाजपा से लड़ सकते हैं। वरिष्ठ नेता सुगत रॉय ने भी आगामी चुनावों को लेकर निराशा जाहिर की।

एन.सी.पी. (शरद पवार) शिव सेना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खासियत है वे कभी भी हार नहीं मानते हैं। उन्होंने बारामती में मुख्यमंत्री शिंदे, अजीत पवार और देवेन्द्र फड़नवीस को शनिवार को रात्रि-भोज के लिए आमंत्रित किया है। अब वे शिंदे और पवार की असुरक्षा की भावनाओं का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, फडनवीस ने निमंत्रण अस्वीकार दिया है लेकिन, शिंदे और पवार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। अगर यह बैठक हो जाती है तो शरद पवार, सबसे पहले तो अपने भतीजे अजीत पवार को बारामती में दोस्ताना लड़ाई के लिए मनाने की कोशिश करेंगे जिससे सुप्रिया सुले आसानी से जीत सकें। अजीत अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती से चुनाव लड़ाने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। साथ ही साथ महाराष्ट्र राजनीति की उभरती तस्वीर पर चर्चा होने की संभावना है।

केन्द्रीय मंत्रालयों में निजी क्षेत्र के 25 नामी प्रोफैशनल्स की नियुक्ति होगी

नई दिल्ली, 1 मार्च। केंद्र सरकार निजी क्षेत्र के 25 विशेषज्ञों को केंद्रीय मंत्रालय के प्रमुख पदों पर नियुक्त करने वाली है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में तीन संयुक्त सचिवों और 22 निदेशकों/उप सचिवों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आमतौर पर, संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के पद अखिल भारतीय सेवाओं - भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) तथा अन्य सेवाओं में अधिकारियों ग्रुप 'ए' के अधिकारियों को रखा जाता है। वर्ष 2018 में शुरू की गई 'लैटरल एंट्री' योजना के तहत, संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के स्तर पर भर्तियां की जाती हैं। इन स्तरों पर अधिकारी नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जो अधिकारी इस प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आते हैं, वे सरकारी प्रणाली का अभिन्न अंग बन जाते हैं।

बैंगलुरु के कैफे में बम विस्फोट, 9 लोग गम्भीर रुप से घायल हुये

संदेह जताया जा रहा है कि, यह विस्फोट एक ग्राहक बनकर आये एक व्यक्ति के बैग में आई.ई.डी विस्फोटक के फटने से हुआ

- **रामेश्वरम नाम के कैफे में विस्फोट दोपहर को 1:30 बजे के करीब हुआ, उस समय कैफे में अच्छी खासी संख्या में ग्राहक मौजूद थे।**
- **घटना की जांच के लिए नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) घटनास्थल पर पहँच गई है।**

बैंगलुरु, 1 मार्च (वार्ता)। बैंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में शुक्रवार दोपहर को जोरदार विस्फोट हो गया, विस्फोट इतना भयानक था कि, हर तरफ चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। इस दुर्घटना में नौ लोग घायल हुये। विस्फोट का समय लंच टाइम होने के कारण कैफे में अच्छी खासी संख्या में ग्राहक मौजूद थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऐसा संदेह जताया जा रहा है कि, यह विस्फोट एक ग्राहक के बैग में रखे आई.ई.डी. एक्सप्लोसिव के फटने के कारण हुआ है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारामैया ने इस विस्फोट को एक अत्याधुनिक उपकरणों के जरिये किया गया शक्तिशाली विस्फोट बताया और कहा कि, यह एक व्यक्ति के रखे गये बैग के कारण हुआ था। सिद्दारामैया ने मैसूर में संवाददाताओं से कहा, मुझे जानकारी मिली है कि, दोपहर बाद कोई एक बैग रखकर चला गया। इस घटना में घायल खतरे से बाहर हैं। सीसीटीवी की जांच की जा रही है। वह कह रहे हैं कि, यह एक शक्तिशाली विस्फोटक से हुआ विस्फोट है। हमें नहीं पता कि, यह एक आतंक की घटना है या कि, हमला। मैंने गृह मंत्री (डॉ जी परमेश्वर) को वहां जाने के लिये कहा है।

उन्होंने कहा, विस्फोट कम तीव्रता का था, लेकिन यह एक आईईडी था, ऐसे विस्फोट सभी सरकारों के कार्यकाल में हुये हैं, लेकिन यह नहीं होने चाहिये। हाल ही में मेंगलुरु के अलावा ऐसी चीजें नहीं हुई हैं, हम पता लगायेंगे कि, वास्तव में क्या हुआ।

इस बीच कर्नाटक पुलिस ने कहा कि, रामेश्वरम कैफे में हुये संदिग्ध विस्फोट में नौ लोग घायल हुये हैं। डीजीपी और आईजीपी आलोक मोहन ने यहां संवाददाताओं से कहा, नौ लोग घायल हुये हैं, लेकिन कोई भी गंभीर नहीं है। डीजीपी ने हालांकि अधिक जानकारी नहीं दी क्योंकि विस्फोट की घटना की जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हम पता लगायेंगे कि, यह किसने किया। हम अटकलें नहीं लगाना चाहते। एफएसएल टीमें सबूत इकट्ठा कर रही हैं। उसके बाद, हम अधिक जानकारी देंगे। सीएम (मुख्यमंत्री) और एचएम (गृह मंत्री) को जानकारी दी गयी है। हम अब और कुछ नहीं कहना चाहते हैं क्योंकि एक जांच जारी है। घटना हालांकि, गंभीर है, क्योंकि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) विस्फोट स्थल पर पहुंच गयी है। इसके अलावा बम और फोरेंसिक टीमें विस्फोट स्थल पर जांच में सहायता कर रही हैं।

प्र.मंत्री मोदी और अमित शाह ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोशी, कोडरमा से अननपूर्णा देवी, छत्रा से सुनील कुमार, गोड्डा से निशिकांत दुबे और खूंटी से अर्जुन मुण्डा। पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के प्रत्याशियों के बारे में अभी निर्णय नहीं किया गया है क्योंकि पंजाब में अकाली दल, आंध्र में तेलुगू देसम पार्टी और जन सेना तथा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ चुनावी गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है। केन्द्रीय चुनाव कमेटी की मीटिंग में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, देवेन्द्र फड़नवीस, प्रकाश जावड़ेकर, भूपेन्द्र यादव और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री उपस्थित थे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यू.पी. के पूर्व सी.एम. जगदम्बिका पाल जैसे कई सांसदों को ऐज फैक्टर के कारण ड्रॉप किया जा सकता है और एक ही निर्वाचन क्षेत्र का कई बार प्रतिनिधित्व करने वालों को भी टिकट ना देने का निर्णय लिया जा सकता है।

बिजली गिरने से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरदावरी करवाकर फसल खराबे का आकलन कराने के भी निर्देश दिए। बिजली गिरने से सवाई माधोपुर जिले में 4 व्यक्तियों की मृत्यु व 1 के घायल होने, दौसा जिले की लालसोट तहसील में 2 व्यक्तियों की मृत्यु एवं जयपुर जिले की चाकसू तहसील में 1 महिला की मृत्यु व 1 व्यक्ति के घायल होने की सूचना अब तक प्राप्त हुई है।

टाइम्स नाओ, नवभारत, आज तक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रश्नों से यह स्पष्ट है। जब कुछ पैनलिस्ट्स ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कुछ कथित घटनाओं को साम्प्रदायिक रंग दिया जा रहा है और जिन घटनाओं में अपराधी एक सम्प्रदाय विशेष से ताल्लुक रखता है, वहां महिला हिंसा की घटनाओं को प्रमुखता से उछाला जा रहा है, तो एंकर ने उन्हें डांटकर चुप कर दिया और उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी। एन.बी.डी.एस.ए. ने कहा कि "भविष्य में होने वाले ब्रॉडकास्ट्स में "लव जिहाद" शब्द का इस्तेमाल गंभीर आत्मपरीक्षण के बाद ही किया जाए क्योंकि धार्मिक रूढ़िवाद देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को कमज़ोर कर सकता है।" जब कथित लव जिहाद के बारे में पूछा गया तो गृह मंत्रालय ने 4 जनवरी 2020 को संसद में अपने एक लिखित उत्तर में कहा था कि "लव जिहाद" प्रचलित कानूनों में पारिभाषित नहीं है। किसी भी केन्द्रीय एजेंसी ने "लव जिहाद" के किसी केस की रिपोर्ट नहीं दी है।" उसने यह भी कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए धर्म को अंगीकार करने, उसका पालन और प्रचार करने की अनुमति देता है। केरल हाई कोर्ट सहित विभिन्न कोर्ट्स ने ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) ने अन्तर धार्मिक विवाह के दो केसों की जांच की है।

भारतीय टी.वी. न्यूज़ चैनल्स में घ्रणास्पद कन्टैंट की भरमार, पिछले कुछ वर्षों से चिंता का विषय रही है। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2022 में भारतीय मीडिया में भड़काऊ भाषणों की भरमार के एक मामले में सुनवाई करते हुए इसका कारण दर्शकों या श्रोताओं को बताया था। एक जज ने टिप्पणी की थी कि "हेट से टी.आर.पी. और प्रॉफिट बढ़ता है।" एन.बी.डी.एस.ए. ने 2 मार्च 2023 को तीन टी.वी. न्यूज़ चैनल्स को आदेश दिया था कि वे अपने कार्यक्रमों को प्रसारण से हटा लें। ज़ी टी.वी. के अलावा उनमें से दो चैनल न्यूज़ 18 इण्डिया और टाइम्स नॉउ तो आदतन गलतियां करने वाले थे। उनसे कहा गया था कि वे अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स व यूट्यूब से कम से कम सात कार्यक्रमों को हटा लें क्योंकि इनसे "कोड ऑफ एथिक्स एण्ड बॉडकास्टिंग स्टैण्डर्ड्स" का उल्लंघन हो रहा था।

द न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एण्ड डिजीटल एसोसिएशन (एन.बी.डी.ए.), जिसे पहले न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एन.बी.ए.) के नाम से जाना जाता था, एक सरकारी संस्था ना होकर एक औद्योगिक इकाई है। यह प्राइवेट टेलीविज़न न्यूज़, करन्ट अफेयर्स और डिजीटल ब्रॉडकास्टर्स का प्रतिनिधित्व करती है। यह स्वयं को "भारत के डिजीटल ब्रॉडकास्टर्स, करन्ट अफेयर्स और न्यूज़" की एक समग्र आवाज बताती है। यह एक संगठन है, जिसकी वैबसाइट पर उसके मैम्बर्स पूरी फण्डिंग करते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि इस आदेश का स्वागत है, लेकिन यह बहुत देर बात उठाया गया बहुत थोड़ा दम है क्योंकि हेट प्रोग्राम्स देश के साम्प्रदायिक सौहार्द को पहले ही इतना ज्यादा बिगाड़ चुके हैं कि समाज को उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित